a2zpapers.com

Roll No. .....

Total No. of Questions : 10]

019

[Total No. of Printed Pages : 7

SS

2067

वार्षिक परीक्षा प्रणाली

SANSKRIT

(Common for Humanities and Science Groups)

(Evening Session)

Time allowed : Three hours

Maximum marks : 90

नोट : *(i)* *अपनी उत्तर-पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर विषय-कोड/पेपर-कोड वाले खाने में विषय-कोड/पेपर-कोड* **019** *अवश्य लिखें।*

(ii) *उत्तर-पुस्तिका लेते ही इसके पृष्ठ गिनकर देख लें कि इसमें टाइटल सहित 30 पृष्ठ हैं एवं सही क्रम में हैं।*

(iii) *उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़े गए पृष्ठ/पृष्ठों के पश्चात् हल किये गये प्रश्न/प्रश्नों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।*

(iv) *कोई अतिरिक्त शीट नहीं मिलेगी, इसलिए उत्तर आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*

(v) *प्रश्न का उत्तर समाप्त होने पर एक लाइन अवश्य लगाएं।*

(vi) *प्रश्न-पत्र तीन भागों (भाग-क, ख तथा ग) में बांटा गया है।*

(vii) ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(viii) *प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके आगे लिखे गये हैं।*

भाग-क

(ix) *प्रश्न संख्या* **1** *में* ***(i)*** *से* ***(x)*** *तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं,* ***सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।***

भाग-ख

(x) *प्रश्न संख्या* **2** *तथा* **3** *के* ***दो-दो*** *भाग करने* ***अनिवार्य हैं।*** *प्रत्येक भाग 5 अंकों का है। प्रश्न संख्या* **3** *में प्रसंग के दो अंक तथा अर्थ के तीन अंक निश्चित हैं। कुल अंक 20 हैं। अर्थ स्पष्ट हों।*

(xi) *प्रश्न संख्या* **4** *तथा* **5** *के तीन-तीन भाग करने* ***अनिवार्य हैं।*** *प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। पूर्ण उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें।*

(xii) *प्रश्न संख्या* **6** *में आंतरिक छूट है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।* ***चार प्रश्नों*** *के उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें।*

(xiii) *प्रश्न संख्या* **7** *के* ***चार भाग करने अनिवार्य हैं।*** *प्रत्येक उपभाग 1अंक का है। परिवर्तन स्पष्ट होना चाहिए।*

(xiv) *प्रश्न संख्या* **8** *के* ***पाँच*** *भाग करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें।*

भाग-ग

(xv) *प्रश्न संख्या* **9** *के* **भाग-क** *तथा* **भाग-ख** *के* ***चार-चार भाग करने अनिवार्य हैं।*** *प्रत्येक प्रश्न 1½ अंक का है। उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें।*

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board

www.a2zpapers.com

a2zpapers.com

(xvi) *प्रश्न संख्या* **9** *के* **भाग-ग** *के* ***पाँच भाग करने अनिवार्य हैं।*** *प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें।*

(xvii) *प्रश्न संख्या* **10** *के* **भाग-क** *तथा* **भाग-ख** *के* ***तीन-तीन भाग करने अनिवार्य हैं।*** *प्रत्येक प्रश्न 1अंक का है। उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें।*

(xviii) *प्रश्न संख्या* **10** *के* **भाग-ग** *में आंतरिक छूट है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।* **दो** *प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट शब्दों में लिखें। परिभाषा तथा उदाहरण के लिए 1-1 अंक निश्चित हैं।*

(xix) *प्रश्न संख्या* **11** *में आंतरिक छूट है। निबन्ध 8 अंकों का है। संस्कृत निबन्ध की भाषा शुद्ध व स्पष्ट होनी चाहिए।*

अथवा

इसमें कुल 13 भाग हैं। जिसमें ***आठ वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करना अनिवार्य है।*** *प्रत्येक भाग का 1 अंक है।*

भाग-क

1. अतिलघूत्तर/वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(i) निम्नलिखित शब्द-रूप की सही विभक्ति को चुनें :

एक वचन	द्विवचन	बहुवचन
मित्रम्	मित्रे	मित्राणि

1 – द्वितीया 2 – पंचमी 3 – तृतीया 4 – प्रथमा

(ii) 'राजन्' शब्द-रूप का सही लिंग चुनें :

1– स्त्रीलिंग 2 – नपुंसकलिंग 3 – पुल्लिंग

(iii) निम्नलिखित धातु-रूप का सही लकार चुनें :

एक वचन	द्विवचन	बहुवचन
आसीत्	आस्ताम्	आसन्

1 – लट् लकार 1 – लोट् लकार 3 – लङ् लकार 4 – लृट् लकार

(iv) निम्नलिखित में सही अथवा गलत चुन कर लिखें :

'खाद्' धातु का लोट् लकार मध्यम् पुरुष एकवचन में "खादसि" होता है।

(v) 'राजपुत्रः' समस्त पद का सही समास विग्रह चुनें :

1 – राजा पुत्रः 2 – राजन् पुत्रः 3 – राजः पुत्रः 4 – राज्ञः पुत्रः

www.a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board

a2zpapers.com

(vi) "नरकप्राप्तः" समस्त पद तत्पुरुष समास का कौन-सा भेद है। नाम बताएं।

(vii) 'खादनम्' रूप में कौन-सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है ? चुनें।

1 – ल्युट् 2 – अनीयर् 3 – तुमुन् 4 – यत्

(viii) निम्नलिखित में सही अथवा गलत चुन कर लिखें :

'भू' धातु के साथ कृदन्त 'यत्' प्रत्यय लगकर "भव्य" रूप बनता है।

(ix) 'रूपक' अलंकार का सही भेद चुनें :

1 – अर्थालंकार 2 – उभयालंकार 3 – शब्दालंकार

(x) "तस्याः मुखं चन्द्र इव सुन्दरं वर्तते" इस वाक्य में 'साधर्म्य' शब्द बताएं। 1×10=10

भाग-ख

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **दो** गद्यांश का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद करें :

(क) दिल्लीश्वरस्य श्यालो द्वारे नियुक्तो न्यूनं वेतनं प्राप्तवान्। इतो बीरबलः अकबरस्य महामात्यः आसीत्। राज्ञी च अनेकवारं राजानं वदति स्म - "राजन् ! मम सहोदरः भ्राता तु न्यूनं वेतनं प्राप्नोति। परं बीरबलः तु भवता उच्चपदे नियुक्तो वर्तते। भवतः साम्राज्ये च अन्यायस्य पराकाष्ठा वर्तते।" राजा आह - "राज्ञि ! त्वमुचितमेव कथयसि। राज्ये स्वविवेकेन अहं सर्वं करोमि।"

(ख) 1699 तमे ईसाब्दे 'आनन्दपुर' नाम गुरुनगरे वैशाखी नाम उत्सवः अन्येभ्यः तीर्थेभ्यः अद्भूत्तरः आसीत्। मुगलानां वर्धनपरैः अत्याचारैः भारतीयाः जनाः निराशापंके निमग्नाः आसन्। एतादृशे संकटमयेकाले श्री गुरुः गोबिन्दसिंहः महासम्मेलनं कृतवान्। सः खड्गहस्तः भूत्वा सभासदान् जनान् अपृच्छत्, "अस्ति कश्चित् वीरः, यो धर्मस्य रक्षायै बलिदानं कुर्यात्।" जनाः चकिताः अभवन्।

(ग) मेवाड़राज्ये हल्दीघाटी नामकमेकं पर्वतीयं क्षेत्रम् आसीत्। तत्र राणा प्रतापस्य सेनायाः अकबरसेनया सह घोरं युद्धमभवत्। राणा प्रतापस्य सैनिकैः वीरतया युद्धं कृतम्, परं तेषां संख्या अतिन्यूना आसीत्। तस्मात् युद्धे एव ते वीरगतिं लब्धवन्तः। राणा प्रतापः चासफलः अभवत्। यदा महाराणा प्रतापः युद्धात् निजेनाश्वेन चेतकेन गच्छति स्म, तदा अश्वोऽपि प्राणान् त्यक्तवान्।

5×2=10

3. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखें :

(क) मा निषाद् ! प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वती समाः।
यत् क्रौञ्च-मिथुनाद् एकमवधी काममोहितम्।।

(ख) न निर्मिता केन न दृष्टपूर्वा, न श्रूयते हेममयी कुरङ्गी।
तथापि तृष्णा रघुनन्दनस्य, विनाशकाले विपरीत बुद्धि।।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board

a2zpapers.com

(ग) लब्ध्वा जनो दुर्लभमत्र मानुषं कथञ्चिदव्यङ्गमयत्नतोऽनघ।
पादारविन्दं न भजत्यसन्मतिर्गृहान्धकूपे पतितो यथा पशुः।। 5×2=10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर अपनी पाठ्य पुस्तक के आधार पर हिन्दी में करें :

(i) पिता ने पुत्र को अपनी दशा कैसे बताई ?

(ii) मार्ग में चलते हुए बड़े ब्राह्मण युवक ने क्या कहा ?

(iii) इन्द्र ने प्रसन्न होकर राजा शिवि को क्या वर दिया ?

(iv) अनुशासन में रहने से जीवन में क्या लाभ होता है ?

(v) गाँधी जी द्वारा 'भारत छोड़ो आन्दोलन' कब चलाया गया ? 2×3=6

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर अपनी पाठ्य पुस्तक के आधार पर संस्कृत में करें-

(i) सत्यं शीलं च भक्तिश्च केषु विग्रहवत् स्थिताः ?

(ii) संविधानसभायां कीदृशः शोध प्रस्तावः आनीतः आसीत् ?

(iii) रामजीदासः 'पूर्णसिंहः' कदा अभवत् ?

(iv) पापबुद्धेः पितरं कः कोटरात् बहिः अकरोत् ?

(v) श्री गान्धिमहोदयः कस्मिन् नगरे जन्मालभत् ? 2×3=6

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **चार** का संस्कृत-वाक्यों में प्रयोग करें :

अवतीर्य, पशुः, दुग्धम्, अहोरात्रम्, वार्तालापं, न्यायालयम्।

अथवा

निम्नलिखित व्यावहारिक शब्दों में से किन्हीं **चार** का हिन्दी में अनुवाद करें :

युतकम्, दात्रम्, हरिद्रा, गन्धपुष्पम्, चणकचूर्णम्, पटहः, फेनिलम्, श्याली। 1×4=4

7. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **चार** का यथानिर्दिष्ट परिवर्तन करें :

(i) तेषां चक्रव्यूहं त्रोटयित्वा अग्रे अवर्धत। (उत्तम पुरुष में)

(ii) अहं निर्धनाय धनम् ददामि। (लृट् लकार में)

(iii) मम अर्थिनः तु धनलाभ-मात्रेण सन्तोषं लभन्ते। (एक वचन में)

(iv) सर्पो दंशति काले। (बहुवचन में)

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board

a2zpapers.com

(v) सः रोगार्तानां हितैषी आसीत्। (लट्लकार में)

(vi) सः ब्रह्मास्त्र प्रयोगं न करिष्यति। (लङ्लकार में) 1×4=4

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर हिन्दी में लिखें :

(i) रामायण के नायक कौन हैं ?

(ii) महर्षि वेदव्यास कौन थे, पाण्डवों से उनका क्या सम्बन्ध था ?

(iii) भास के महाभारत पर आधारित दो नाटकों के नाम लिखें ?

(iv) कालिदास ने कुल कितने काव्य लिखे ?

(v) बाणभट्ट ने कौन-कौन सी पुस्तकें लिखीं ?

(vi) भवभूति ने कितने नाटक लिखे ? उनके नाम लिखें ?

(vii) भारतीय नेता कैसे राज्य की कल्पना करते हैं ? 1×5=5

भाग-ग

9. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **चार** के यथानिर्दिष्ट विभक्ति के तीनों वचनों के रूप लिखें :

बाला - तृतीया विभक्ति

पितृ - प्रथमा विभक्ति

मित्र - सप्तमी विभक्ति

पयस् - पंचमी विभक्ति

वधू - षष्ठी विभक्ति

स्त्री - चतुर्थी विभक्ति 1½ ×4=6

(ख) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं **चार** के यथानिर्दिष्ट लकारों एवं पुरुषों के तीनों वचनों में रूप लिखें :

कृ - लृट् लकार, उत्तम पुरुष

व्रज् - लट् लकार, प्रथम पुरुष

भू - लोट् लकार, प्रथम पुरुष

हन् - विधिलिङ लकार मध्यम पुरुष

दण्ड् - लङ् लकार, मध्यम पुरुष

घ्रा - लट् लकार, उत्तम पुरुष 1½ ×4=6

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board

a2zpapers.com

(ग) किन्हीं **पाँच** वाक्यों में उचित विभक्ति लगाकर शुद्ध करें :

(i) विद्यालयस्य अभितः नदी अस्ति।

(ii) रामः प्रकृतेः साधुः।

(iii) धनात् किं प्रयोजनम्।

(iv) देवं नमः।

(v) सः बाल्येन अत्र वसति।

(vi) मन्त्री सिंहासने अध्यास्ते।

(vii) सः मांतरं स्मरति। 1×5=5

10. (क) निम्नलिखित समस्त पदों में से किन्हीं **तीन** पदों का विग्रह करें :

रामश्रितः, नखभिन्नः, यूपदारु, चक्रमुक्तः, अचरम्। 1×3=3

(ख) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं **तीन** में यथानिर्दिष्ट प्रत्यय लगाएं :

लिख + तुमुन्, गम् + तव्यत्, दा + अनीयर्, जि + ल्युट्, कृ + यत्। 1×3=3

(ग) निम्नलिखित अंलकारों में से किन्हीं **दो** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखें :

यमक, अनुप्रास, रूपक, उत्प्रेक्षा।

अथवा

निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **दो** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखें :

वसन्ततिलका, मालिनी, अनुष्टुप, शिखरिणी । 2×2=4

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में संस्कृत में निबन्ध लिखें :

(i) सत्संगतिः।

(ii) मम प्रियं पुस्तकम्।

(iii) कश्चित् महापुरुषः।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **आठ** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(i) परिश्रम के बिना सफलता नहीं।

(ii) झगड़ा मत करो।

(iii) वह मेरे लिए फल लाता है।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board

a2zpapers.com

(iv) राजा महल से निकलता है।

(v) अतिथि का स्वागत करो।

(vi) राधा वीणा बजाने में कुशल है।

(vii) हे विद्यार्थियों ! झूठ मत बोलो।

(viii) ये लड़के बड़े चतुर हैं।

(ix) उसने मक्खन खाया।

(x) यह पाठ याद करने योग्य है।

(xi) वे मेरे पिता जी हैं।

(xii) मैं प्रातः दूध पीता हूँ।

(xiii) माता जी को चम्मच दो। $1 \times 8 = 8$

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
Download free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab board